अब्राहम बना परमेश्वर का दोस्त

उत्पत्ति 12:1-9; 18:1-19; 22:1-18

अब्राहम और **सारा*** ऊर शहर में रहते थे। वे यहोवा के उपासक थे। एक दिन **यहोवा** ने अब्राहम से कहा,

उस देश में जा, जो मैं तुझे दिखाऊँगा। मैं तुझसे एक **बड़ा राष्ट्र** बनाऊँगा।

*पहले उनके नाम थे, अब्राम और सारै।

यहोवा ने आपसे क्या कहा?

उसने कहा कि हम यह जगह **छोड़ दें।** हमें अपने **दोस्तों** और **रिश्तेदारों** को छोड़कर जाना होगा।

यहोवा जो भी कहे, मैं करूँगी।

अब्राहम और सारा ऊर छोड़कर निकल पड़े। पर वे यह नहीं जानते थे कि **कहाँ** जा रहे हैं . . .

. . . अब्राहम के **बच्चे तो हैं नहीं,** फिर उससे एक **बड़ा राष्ट्र** कैसे बन सकता है?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

जैसे यहोवा ने कहा था, सारा को बेटा हुआ। उन्होंने उसका नाम **इसहाक** रखा। वह अब्राहम का दुलारा था। धीरे-धीरे इसहाक बड़ा हो गया। उसे **यहोवा से बहुत प्यार था।**

यहोवा अब्राहम को परखना चाहता था। यहोवा ने उससे कहा कि वह इसहाक की **बलि** दे।

अब्राहम के लिए यहोवा की यह बात मानना **बहुत मुश्किल** था। लेकिन उसे और इसहाक को **यहोवा पर पूरा भरोसा था।**

रुक जा!

अब यहोवा जान गया कि अब्राहम उसका **अच्छा दोस्त** है। उसने अब्राहम के बेटे इसहाक की जान बचायी और उससे इसराएल राष्ट्र बनाया।

हम इस कहानी से क्या सीखते हैं?

अब्राहम के लिए यहोवा की कौन-सी बात मानना **बहुत मुश्किल** था?

सुराग: उत्पत्ति 12:1; 22:1, 2.

अब्राहम **परमेश्वर का दोस्त** कैसे बना?

सुराग: उत्पत्ति 26:5; इब्रानियों 11:8-10, 17.

आप परमेश्वर के दोस्त कैसे बन सकते हैं?

सुराग: भजन 15:1-5.

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania